This question paper contains 2 printed pages.

Roll No. _____

Sl. No. of Question Paper	:	13523
Unique Paper Code	:	2135000016
Name of the Paper	:	Contributions of the Indian Knowledge System, GE
Name of the Course	:	B.A.(Prog), CBCS-LOCF
Semester	:	I
Duration	:	3 Hours

Maximum Marks: 90

छात्रों के लिए निर्देश/Instructions for candidates:

(i) इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
Write your Roll no. on the top immediately on receipt of this question paper.

(ii) इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत हिन्दी *अथवा* अंग्रेजी, किसी भी एक भाषा में दे सकते हैं, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
Answers may be written in **Sanskrit, Hindi *or* English**, but the same medium should be used throughout the paper.

(iii) सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
All questions are compulsory.

1. भारतीय ज्ञान परम्परा के योगदान में 'दार्शनिक और आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि' का विवेचन कीजिए। 18
Discuss the contribution of 'philosophical and spiritual insight' in the contribution of Indian knowledge tradition.

अथवा/OR

गणित और खगोल विज्ञान' के आधार पर भारतीय ज्ञान परम्परा का योगदान स्पष्ट कीजिए।
Explain the contribution of Indian knowledge tradition on the basis of 'Mathematics and Astronomy'.

2. भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में वैज्ञानिक और तकनीकी अनुप्रयोगों का विश्लेषण कीजिए। 18
Analyze the scientific and technological applications in the light of the Indian knowledge System.

अथवा/OR

'वैश्विक आदान- प्रदान और अंतर- सांस्कृतिक शिक्षा' का योगदान स्पष्ट कीजिए।
Explain the contribution of 'global exchange and Cross-cultural Learning'.

3. 'भारतीय ज्ञान परम्परा का योगदान' इस विषय के उद्देश्य एवं महत्त्व की विवेचना कीजिए। 18

Discuss the purpose and importance of the topic 'Contribution to Indian Knowledge System'.

अथवा/OR

भारतीय ज्ञान परम्परा में ' नैतिक विचार और उत्तरदायी अनुकूलन' की व्याख्या कीजिए।

Explain 'ethical consideration and responsible adaptation' in the Indian knowledge System.

4. वर्त्तमान परिप्रेक्ष्यों में आध्यात्मिक एवं दार्शनिक भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।

Explain the relevance of the spiritual and philosophical Indian knowledge System in the present context. 18

अथवा/OR

भारतीय ज्ञान परम्परा से प्राप्त ज्ञान के आधार पर समसामयिक सन्दर्भ में पारम्परिक ज्ञान को कैसे पुनर्जीवित किया जा सकता है?

How can traditional knowledge be revived in the contemporary context on the basis of knowledge gained from the Indian knowledge System?

5. निम्नलिखित में से किसी तीन प्रश्नों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। (3×6 = 18)

Write a brief note on any **three** of the following.

i. भाषाई विश्लेषण और व्याकरण संरचनाएं।
Linguistic Analysis and Grammar Structures.

ii. चिकित्सा और कल्याण के लिए समग्र विकास।
Holistic Approach to Medicine and Well-being.

iii. पारम्परिक ज्ञान का एकीकरण।
Integrating Traditional wisdom.

iv. संरक्षण और दस्तावेज़ीकरण।
Preservation and Documentation.

v. सामंजस्य पूर्ण भविष्य हेतु अतीत की निन्दा।
Embracing the Past to Shape a Harmonious Future.

vi. कलात्मक और उत्कृष्ट साहित्यिक अभिव्यक्तियाँ।
Artistic Expressions and Literary Masterpieces.

SRI AUROBINDO COLLEGE
तमसो मा ज्योतिर्गमय
UNIVERSITY OF DELHI